भारतीय उच्चायोग
लिलोंगवे (मालावी)
*****

भारत – मालावी द्विपक्षीय संबंध

द्विपक्षीय

मालावी के साथ भारत के संबंध मधुर और मित्रतापूर्ण हैं। अनेक क्षेत्रीय, अंतर्राष्ट्रीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर दोनों देशों के विचारों में समानताएं हैं। भारत ने 1964 में, जब मालावी ने अपनी आजादी प्राप्त की थी, मालावी के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। मई, 1993 में राजनयिक मिशन को बंद कर दिया गया तथा मार्च, 2012 में इसे फिर से खोला गया। उच्चायुक्त श्री वानलालहुमा ने 21 जून, 2013 को पदभार ग्रहण किया तथा 25 जून, 2013 को मालावी के राष्ट्रपति को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया। मालावी के वर्तमान राष्ट्रपति प्रो. आर्थर पीटर मुथारिका हैं जिन्हें मई, 2014 के आम चुनावों के बाद 5वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई है।

मालावी ने फरवरी, 2007 में दिल्ली में अपना मिशन खोला था। मालावी ने फरवरी, 2007 में दिल्ली में अपना मिशन खोला था।

यात्राओं का आदान – प्रदान :

मालावी की ओर से प्रमुख यात्राएं :

1983	राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्ष बैठक में भाग लेने के लिए मालावी के पहले राष्ट्रपति डा. एच कामुत्जु बंडा की भारत यात्रा
2006	विदेश मंत्री श्री डेविस कटसोंगा की 10 से 12 मई, 2006 के दौरान भारत यात्रा
2008	खाद्य सुरक्षा सम्मेलन के लिए कृषि एवं खाद्य सुरक्षा उप मंत्री की भारत यात्रा
2010	मालावी के राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रो. बिंगु वा मुथारिका की 2 से 7 नवंबर, 2010 के दौरान भारत यात्रा
2011	18 एवं 19 फरवरी, 2011 को नई दिल्ली में सबसे कम विकसित देशों की मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए विकास आयोजना एवं सहयोग उप मंत्री श्री डैनियल लिविम्बी की भारत यात्रा
2012	भारत – अफ्रीका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सम्मेलन 1 एवं 2 मार्च, 2012 को शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उप मंत्री सुश्री ओट्रिया जेरी की भारत यात्रा
2012	भारत – अफ्रीका व्यापार मंत्री बैठक तथा भारत – अफ्रीका परियोजना साझेदारी पर 8वीं सी आई आई एक्जिम बैंक गोष्ठी के लिए व्यापार एवं उद्योग मंत्री जॉन बांडे और परिवहन एवं सार्वजनिक अवसंरचना मंत्री श्री मोहम्मद सिदिक मिया की 17 से 20 मार्च, 2012 के दौरान भारत यात्रा
2012	कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री प्रो. पीटर मवांजा तथा जल एवं संसाधन मंत्री श्री रिची मुहेया की 21 से 30 सितंबर, 2012 के दौरान भारत यात्रा
2015	विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री श्री जार्ज चपोंडा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने 26 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस) में भाग लिया

भारत की ओर से प्रमुख यात्राएं :

1964	मालावी की आजादी के सिलसिले में आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की मालावी यात्रा
1979	विदेश राज्य मंत्री श्री समरेंद्र कुंडू की मालावी यात्रा
2010	भारत के माननीय उप राष्ट्रपति श्री एम हामिद अंसारी की 7 से 9 जनवरी, 2010 के दौरान मालावी यात्रा
2011	अदिसअबाबा, इथोपिया में दूसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति बिंगू वा मुथारिका को निमंत्रण सौंपने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में माननीय विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने मई 2011 में मालावी का दौरा किया।
2015	नई दिल्ली में तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के लिए राष्ट्रपति पीटर मुथारिका को निमंत्रण सौंपने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम राज्य मंत्री माननीय श्री जी एम सिदेश्वर ने जुलाई 2015 में मालावी का दौरा किया।

करार जिन पर हस्ताक्षर किए गए हैं :

- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए एम ओ यू (2010)
- मालावी के विदेश मंत्रालय तथा भारत के विदेश मंत्रालय के बीच परामर्श के लिए प्रोटोकाल (2010)
- मालावी में लघु उद्योग के विकास में सहयोग के लिए भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम तथा मालावी के एक गांव एक उत्पाद के लिए एम ओ यू (2010)
- सामान्य सहयोग करार (2010)
- खनिज संसाधन विकास के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू (2010)
- ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू (2010)
- स्वास्थ्य एवं दवा के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू (2010)

आर्थिक एवं वाणिज्यिक :

द्विपक्षीय व्यापार : भारत एवं मालावी के बीच 2006 से 2015 की अवधि के दौरान व्यापार के आंकड़े यहां नीचे दिए गए हैं :

(आंकड़े मिलियन अमरीकी डालर में)

क्र. सं.	वर्ष	मालावी को भारतीय निर्यात	मालावी से भारतीय आयात	कुल व्यापार
1	2006 - 07	42.56	5.07	47.63
2	2007 - 08	64.34	15.64	79.98
3	2008 - 09	89.38	7.08	96.46
4	2009-10	81.36	103.76	185.12
5	2010 - 11	101.34	19.89	121.23
6	2011-12	148.26	19.97	168.23
7	2012-13	153.30	43.11	196.41
8	2013-14	221.00	15.15	236.15
9	2014-15	214.02	36.78	250.80
10	2015-16 (अप्रैल से नवंबर 2015)	121.43	46.79	168.22

स्रोत : www.commerce.nic.in

मालावी की ओर से भारत को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से दालें, काबुली चना तथा

अन्य कृषि वस्तुएं शामिल हैं। मालावी की ओर से भारत से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से टेक्सटाइल यार्न, फेब्रिक, परिवहन उपकरण, फार्मास्युटिकल, मशीनरी एवं उपकरण शामिल हैं। व्यापार संतुलन ज्यादातर भारत के पक्ष में है। तथापि हम मालावी से अधिक कृषि वस्तुओं का आयात कर सकते हैं।

भारतीय निवेश :

मालावी में 100 से अधिक भारतीय कंपनियां पंजीकृत हैं। मालावी में भारतीय कंपनियां कृषि प्रसंस्करण, रसायन, ऊर्जा, वित्तीय सेवा एवं बीमा, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं साफ्टवेयर विकास, संभार तंत्र, टेक्सटाइल, कॉ स्मेटिक एवं भेषज पदार्थ, खनन, विनिर्माण, होटल एवं अतिथि सत्कार आदि जैसे कारोबार में लगी हुई हैं। प्रमुख भारतीय कंपनियों में भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, हाई टोस लिनियर एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड, विसमन लिमिटेड, टाटा, महिंद्रा, गोदरेज, किर्लोस्कर, अशोक लीलैंड, टीवी, और बजाज ऑटो आदि शामिल हैं। 2012 में, मैसर्स धुनसेरी पेट्रो केम एंड टी लिमिटेड (डी पी टी एल) ने मालावी में चाय बागान में निवेश किया। भारत से व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए मालावी के उच्चायोग ने 16 अक्टूबर, 2013 को सूरत, गुजरात में एक व्यवसाय केंद्र खोला है।

दोनों देशों के बीच अधिक व्यवसाय को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय उच्च आयोग ने दिसंबर 2015 से मालावी के नागरिकों को व्यवसाय एवं रोजगार वीजा नि:शुल्क जारी करना शुरू किया है।

ऋण सहायता / सहायता अनुदान :

वर्ष 2008 से भारत सरकार ने कॉटन गिनरी, पेट्रोलियम स्टोरेज टैंक, चीनी प्रसंस्करण प्लांट, ग्रीन बेल्ट पहल एवं कृषि मशीनरी जैसी विभिन्न अवसंरचना विकास परियोजनाओं के लिए मालावी सरकार को 180 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की ऋण सहायता प्रदान की है। मालावी को अन्य वित्तीय सहायता में 2010 में क्षमता निर्माण परियोजनाओं की स्थापना के लिए 5 मिलियन अमरीकी डालर का अनुदान तथा 2015 में बाढ़ राहत के लिए 2,50,000 अमरीकी डालर का अनुदान शामिल है।

जनवरी, 2010 में भारत के उप राष्ट्रपति की मालावी की यात्रा के दौरान 5 मिलियन अमरीकी डालर के प्रस्तावित अनुदान के तहत 1.5 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के विज्ञान एवं प्रयोगशाला उपकरण तथा मैमोग्राफी मशीन एवं अल्ट्रासाउंड मशीन से युक्त 1.5 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के चिकित्सा उपकरण मालावी सरकार को सौंपे गए हैं। 1 जुलाई 2015 को 1 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की आवश्यक दवाएं एवं औषधियां सौंपी गईं तथा भारत सरकार द्वारा 1 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के ट्रैक्टर एवं औजार अगस्त 2015 में मालावी सरकार को सौंपे गए।

भारत सरकार की अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना के तहत न्यू स्टेट हाउस में वी वी आई पी वीडियो कंफ्रेसिंग की सुविधा, कैमुजू केंद्रीय अस्पताल में टेली-मेडिसीन की सुविधा तथा चांसलर कॉलेज जोम्बा में टेली-एजुकेशन की सुविधा चालू की गई है। भारत के विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा तथा मालावी के सूचना एवं सिविक शिक्षा मंत्री श्री साइमन वुवा कौंडा द्वारा 16 अगस्त, 2010 को चांसलर कॉलेज जोम्बा में वीडियो कंफ्रेसिंग के माध्यम से इस परियोजना का उद्घाटन किया गया। चांसलर कॉलेज ने 14 दिसंबर, 2012 को ई-लर्निंग छात्रों के लिए अपने पहले ग्रेजुएशन समारोह का आयोजन किया और फिर दिसंबर, 2013 में अपने दूसरे ग्रेजुएशन समारोह का आयोजन किया तथा तीसरे समारोह का आयोजन अप्रैल 2015 में हुआ। इस कार्यक्रम के तहत मालावी के 2000 से अधिक नागरिकों ने लाभ उठाया है।

भारत उप सहारा क्षेत्र से चिकित्सा पर्यटन के लिए भी एक प्रमुख गंतव्य बन रहा है।

मालावी के अनेक नागरिकों ने भारतीय अस्पतालों में उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए भारत का दौरा किया है। भारत के पसंदीदा गंतव्य बनने का प्रमुख कारण सस्ती दरों पर उपलब्ध इसका उन्नत चिकित्सा उपचार है।

मानव संसाधन विकास :

भारत अपने आई टी ई सी कार्यक्रम एवं आई सी सी आर छात्रवृत्तियों के माध्यम से क्षमता निर्माण के क्षेत्र में मालावी की सहायता कर रहा है। वर्ष 2007–08 में आई टी ई सी स्लाटों की संख्या 10 थी जो 2012-13 में बढ़कर 60 हो गई और अब 2015-16 में 65 है। 2007-08 से 2014-15 तक मालावी के 300 से अधिक व्यक्तियों ने भारत में आई टी ई सी के असैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। 5 दिसंबर, 2014 को मिशन ने आई टी ई सी की स्वर्ण जयंती मनाई गई। मालावी दीर्घ अवधि के पाठ्यक्रमों के लिए आई सी सी आर छात्रवृत्तियों का भी उपयोग कर रहा है। वर्ष, 2015-16 में छात्रवृत्तियों की संख्या 10 से बढ़ाकर 15 कर दी गई है। इसके अलावा, मालावी आई ए एफ एस तथा विशेष कृषि छात्रवृत्ति, सी वी रमन फेलोशिप आदि के तहत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी उपयोग करता है। लिलोंग्वे में मिशन खोलने से मालावी की ओर से उम्मीदवारों की भागीदारी बढ़ गई है। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आई आई एफ टी), नई दिल्ली ने दिसंबर 2014 में मालावी प्रबंध संस्थान के सहयोग से लेलोंगवे में अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में एक विशेषज्ञ कार्यपालक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

सांस्कृतिक संबंध :

मेरू सपेरा के नेतृत्व में एक 10 सदस्यीय राजस्थानी नृत्य मंडली, जिसे आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित किया गया था, ने अप्रैल, 2014 में मालावी का दौरा किया तथा लिलोंग्वे एवं ब्लैंटेयर में अपनी कला का प्रदर्शन किया। मुराद अली के नेतृत्व में एक फ्यूजन संगीत दल ने, जिसे आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित किया गया था, अक्टूबर, 2014 में मालावी का दौरा किया तथा ब्लेंटेयर में ब्लेंटेयर कला महोत्सव में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

भारतीय समुदाय / पी आई ओ :

मालावी में भारतीय मूल के व्यक्तियों की संख्या 9000 के आसपास है जो मूलत: गुजरात से हैं तथा लिलोंगवे, ब्लांटायर, जोम्बा और मजुजु जैसे महत्वूपूर्ण शहरों में रहते हैं। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से भारतीय नागरिकों की संख्या 2500 के आसपास है तथा वे मुख्य रूप से ट्रेडिंग, कृषि तथा कृषि व्यवसाय एवं फार्मास्युटिकल खुदरा व्यवसाय, अतिथि सत्कार में लगे हैं, इसके अलावा कुछ प्रोफेशनल हैं।

***

फरवरी, 2016